माननीय मंत्री महोदय का ध्यान आपके माध्यम से इस निवेदन के साथ आकर्षित करता हूं कि अविलम्ब उचित कार्यवाही हो और जिन लोगों ने अपना सर्वस्व दे कर मुल्क को आजाद किया आज वे अपने आपको असहाय महसूस कर रहे हैं। यह देश के लिए और शासन के लिए कलंक की बात है।

आशा है मंत्री महोदय अविलम्ब इस पर कार्यवाही कर उन स्वतन्त्रता संग्राम सैनानियों को राहत देंगे जो मुल्क की आजादी के लिए अपना सर्वस्व बर्बाद कर चुके हैं।

(ii) NEED TO PRESERVE FORESTS OF WYNAD IN KERALA.

SHRI V. S. VIJAYARAGHAVAN (Palghat): Sir, I wish to raise a very important issue concerning the large-scale deforestation in Wynad in Karala.

Wynad used to have a salubrious climate owing mainly to the abundance of ever-green forests. Mahatma Gandhi had once described Wynad as the Kashmir of Kerala. It is lying adjacent to Mudumala in Tamilnadu and Bandipur in Karnataka. In 1973, the Government of Kerala declared it a wild-life sanctuary. The fertile soil and high rainfall in this area helped the high rate of yield of plantation crops like coffee, pepper, orange etc..

But, today the whole scenario has changed. The salubrious climate of Wynad has changed. It is becoming hotter and hotter every year. The natural streams and fountains are slowly becoming dry. At this rate, before long this place will become totally inhospitable.

The main cause of this alarming situation is the large-scale indiscriminate deforestation that has taken place in Wynad. Today, the plantation crops are dying out due to the attack of some pests caused by the change in the climate pattern. Drinking water is getting scarce as the perennial water source is drying up. The Noolphuzha river, which used to flood the entire region, is slowly drying up. At this rate, the proposed Noolphuzha Project, which is supposed to irrigate Noolpuzha, Nenmeni and Sultan Battery Panchayats, will have to be abandoned.

The State Government is trying to plant teak and eucalyptus in these areas. But these trees will aggravate the problem as the existing water source in their vicinity will also dry up.

Wynad forests are a treasure house of rare valuable herbs of great medicinal value. Deforestation has destroyed most of these herbs.

In these circumstances, it is our duty to protect these forests if we want to survive. Therefore, I urge upon the Central Government to issue necessary instructions to the State Government so that the deforestation is put to an end and the precious forests are preserved.

(iii) NEED FOR A RAILWAY LINE BETWEEN PHALODI AND KOLIYAT TO ESTABLISH A LINK BETWEEN JAISALMER AND DELHI.

श्री वृद्धि चन्द्र जैन (बाड़मेर) : बाड़मेर एवं जैसलमेर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र 70,000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। उक्त क्षेत्र केरल प्रांत से दुगुना एवं हरियाणा प्रांत से ड्योढ़ा क्षेत्रफल की दृष्टि से है।

संचार एवं आवागमन की दृष्टि से यह क्षेत्र देश का सब से पिछड़ा क्षेत्र है जिस की केन्द्र सरकार एवं राजस्थान सरकार द्वारा लगातार अवहेलना की जा रही है।

जसलमेर एवं बाड़मेर पश्चिमी सीमावर्ती क्षेत्र के महत्वपूर्ण नगर है। जैसलमेर पर्यटन की दृष्टि से देश में बड़ा महत्वपूर्ण स्थान

[श्री वृद्धि चन्द्र जैन]

रखता है । विदेशी पर्यटक प्रति वर्ष हजारों की संख्या में वहां आते हैं । उनके लिए न तो कोई हवाई सेवा की व्यवस्था है और न दिल्ली से जैसलमेर तक के लिए रेलवे की व्यवस्था ।

प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी सन् 1974 में पोकरण अणु विस्फोट के अवसर पर जब जैसलमेर पहुंची और वहां के पुराने भवनों की कारीगिरी एवं शिल्पकला देखी तो वह बहुत प्रभावित हुई और उन्होंने पुराने भवनों को राष्ट्र की सम्पत्ति घोषित कराया और जैसलमेर पर्यटन की दृष्टि से भारत के ही नहीं बल्कि दुनिया के नक्शे में आया ।

जैसलमेर से दिल्ली को जोड़ने के लिए फलौदी से कोलायत 110 किलोमीटर नई रेलवे लाइन का बनाना आवश्यक है । जोधपुर रियासत ने फलौदी से कोलायत रेलवे लाइन के लिए अंतिम स्थान निर्धारण इंजीनियरिंग सर्वेक्षण सन् 1950 में पूरा कर दिया था । जोधपुर रियासत भी उक्त रेलवे लाइन को तीस साल पहले बनाना चाहती थी परन्तु आजादी के तीस सालों के बाद भी वहां उक्त रेलवे लाइन के निर्माण में कोई प्रगति नहीं हुई है और वित्तीय साधनों की कठिनाई बतला कर आवश्यक रेलवे लाइन का पिछड़े क्षेत्रों में निर्माण नहीं किया जा रहा है जिस के कारण राजस्थान प्रांत के सीमावर्ती क्षेत्रों में घोर असंतोष है ।

फलौदी एवं कोलायत क्रमशः जोधपुर एवं बीकानेर जिलों में आए हुए हैं । अतः जैसलमेर जिले के साथ साथ जोधपुर एवं बीकानेर जिले भी इस रेलवे लाइन के बनने से जुड़ जाएंगे ।

उक्त क्षेत्र खनिज की दृष्टि से बड़ा महत्वपूर्ण स्थान रखता है । जिप्सम, बेंटोनाइट, रॉकफास्फेट, पीला पत्थर, चूना एवं फलौदी में नमक का पर्याप्त भंडार है ।

राजस्थान नहर का पानी इस क्षेत्र में दो तीन साल में आने वाला है और इस क्षेत्र को हरा भरा करने वाला है ।

अतः रेलवे मंत्री से पुरजोर मांग है कि फलौदी से कोलायत तक 110 किलोमीटर रेलवे लाइन देश के पिछड़े सीमावर्ती क्षेत्र में स्वीकृति दे कर सन् 1981–82 में शुरू किए जाने के आदेश फरमा कर पश्चिमी राजस्थानी क्षेत्र की जनता की आवश्यक मांग की पूर्ति करें ।

(iv) NEED FOR AN ADDITIONAL RAIL RESERVATION COUNTER AT BOMBAY FOR BOMBAY-AHMEDABAD ROUTE.

श्री मोतीलाल आर० चौधरी (मेहसाना) : बम्बई और अहमदाबाद के बीच आने जाने के लिये आये दिन रेलगाड़ियों में ज्यादा से ज्यादा भीड़ रहती है, विशेषकर गर्मी के दिनों में तो और भीड़ बढ़ जाती है । सबसे बड़ी समस्या पर्याप्त मात्रा में आरक्षण टिकट घरों का न होना है । जिस प्रकार अहमदाबाद में एक नया रिजर्वेशन काउन्टर खोला गया है, उसी प्रकार बम्बई सेन्ट्रल पर भी खोला जाना चाहिये जिससे भीड़ कुछ कम हो सके । किसी भी दिन यात्री आरक्षण के लिये जाते हैं तो कतारों में घंटों तक खड़ा रहना पड़ता है और रिजर्वेशन की लंबी सूची बनी पड़ी रहती है । इसलिये यात्रियों की सुविधा के लिये बम्बई सेन्ट्रल पर एक रिजर्वेशन काउन्टर अति शीघ्र खोला जाना चाहिये । रिजर्वेशन में जो बड़ी मात्रा में भ्रष्टाचार चल रहा है उसे सुलझाने के लिये रिजर्वेशन फार्म पर क्रमांक नं० और दिनांक भी डाला जाना चाहिये और इसका विवरण रजिस्टर में भी होना चाहिये जिससे कि बाहर के दलालों के द्वारा भ्रष्टाचार के जरिये तुरन्त रिजर्वेशन कराने वालों को पकड़ने में फ्लाइंग स्क्वैड को सहूलियत मिल सके । कुछ दिन पूर्व अहमदाबाद स्टेशन पर एक सरकारी कर्मचारी के परिवार को जो खाली जगह देखकर रेल में बैठा था उसे दलालों द्वारा पीटा गया । इस प्रकार की घटनाओं